दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 208
मुरादाबाद
(Thursday)
19 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले- 2027 में सिर्फ हैट्रिक नहीं लगेगी, कथा रोकोगे तो फिर नमाज भी रोकी जाएगी; प्रतापगढ़ में धीरेंद्र शास्त्री बोले-हिंदू जाग रहा है, सनातनी...

रिकॉर्ड भी बनेगा, प्रचंड बहुमत से फिर बनेगी सरकार

सीएम योगी का संदेशः बूथों पर जाओ, कटे वोट वापस जुड़वाओ;2027 की तैयारी में जुट जाओ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में 2027 में भाजपा की लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनेगी। उन्होंने इसे नया रिकॉर्ड बताया। योगी ने सपा-कांग्रेस पर परिवारवाद, जातिवाद और खराब कानून-व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। साथ ही सुरक्षा, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में बदलाव गिनाए। योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर क्या बड़ा दावा किया है?मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार तीसरी बार बनने जा रही है। हैट्रिक ही नहीं लगेगी, यह रिकॉर्ड भी बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा के करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की शक्ति और डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों के दम पर पार्टी जनता के बीच जाएगी और जनता-जनार्दन का आशीर्वाद प्राप्त करेगी। एक निजी चैनल के राइजिंग भारत समिट में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पूरी दमदारी के साथ उत्तर प्रदेश में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की, प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने में सफल होगी। किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिएमुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की नई पहचान पर जिसे भी गौरव की अनुभूति होती है, वह भाजपा सरकार को तीसरी बार मौका देगा। उन्होंने अपने कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह प्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने पांच वर्ष लगातार मुख्यमंत्री रहने के बाद फिर चुनाव जीता और दोबारा पांच वर्ष तक अपनी सरकार लगातार चलाई। भाजपा पहले भी कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है और इस बार भी नया रिकॉर्ड बनाएगी।मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कल्पना करिए, क्या इंडी गठबंधन की किसी सरकार में या समाजवादी पार्टी की सरकार में यह सुशासन यूपी के अंदर या किसी अन्य राज्य के अंदर कोई देख सकता था? उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस की अराजकता, उनका जंगलराज, उनका गुंडाराज, थाना, तहसील, जिला को बंधक बनाने की उनकी कुत्सित चेष्टाएं जो रही हैं, जब भी उनको मौका मिला है, इस कानून-व्यवस्था की ध्वस्त स्थिति, कर्फ्यू, दंगा, लूट-खसोट, इन सभी मुद्दों को लेकर के भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगियों के साथ इस चुनाव में जाएगी।परिवारवाद और जातिवाद की राजनीति ने उत्तर प्रदेश का बेड़ा गर्क किया था सीएम योगी ने 80-20 के मुद्दे पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि भारतीय जनता पार्टी ये उपलब्धियां पहले भी हासिल कर चुकी है। कितना भी दुष्प्रचार ये लोग करें, कितना भी विभाजन करें, उत्तर प्रदेश का हर व्यक्ति जानता है कि परिवारवाद और जातिवाद की राजनीति ने, विभाजनकारी राजनीति ने उत्तर प्रदेश का बेड़ा गर्क किया था। हर बेटी को असुरक्षित किया था, हर व्यापारी को रंगदारी देने के लिए मजबूर किया था, हर नौजवान की नौकरी पर सेंध लगाया गया था और उत्तर प्रदेश को अंधेरे में रहने के लिए मजबूर कर दिया था। कर्फ्यू और दंगा यूपी की पहचान बन चुके थे। समाज के हर तबके के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के शासनकाल पर हमला करते हुए कहा कि योजनाओं पर ही परिवार का वर्चस्व नहीं था, बल्कि यूपी की पूरी राजनीति तुष्टीकरण की पराकाष्ठा पर चल रही थी। अपराधियों के राजनीतिकरण शब्द को तो आपने सुना होगा, लेकिन राजनीति का ही अपराधीकरण हो जाए, यह समाजवादी पार्टी की पहचान थी। वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया इनकी पहचान बन चुकी थी। हर थाने में इनके गुंडे कब्जा कर चुके थे। भर्ती आयोगों में भी इन्होंने अराजकता पैदा की। जो व्यक्ति चेयरमैन बनने के लिए पात्र भी नहीं था, उसको चेयरमैन बनाकर भर्ती आयोगों पर कब्जा किया गया और अपने लोगों को जबरन भर्ती करने का प्रयास हुआ। एक-एक मुन्ना भाई को ये लोग नियुक्ति पत्र देते थे, जिसने परीक्षा ही नहीं दी, उसको भी नियुक्ति पत्र प्राप्त होता था।

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की क्या रणनीति है? कानून-व्यवस्था में बदलाव को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने एचसीएल टेक के लखनऊ कैंपस का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में इस कैंपस में केवल 100 लोग काम करते थे, जबकि आज यहां उत्तर प्रदेश के 18,000 युवा कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि कैंपस में काम करने वाली कई बेटियां बाराबंकी, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ के अलग-अलग इलाकों से आती हैं। उन्होंने उनसे पूछा कि क्या वे नाइट शिफ्ट में काम करती हैं और क्या उन्हें रात में घर लौटते समय भय नहीं लगता? बेटियों ने बताया कि वे रात दो बजे ड्यूटी समाप्त होने के बाद अपनी बाइक से घर चली जाती हैं। उन्होंने कहा, %कैसा भय? अब यूपी में गुंडाराज थोड़ी है।% मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों का यह जवाब प्रदेश में बदली कानून-व्यवस्था और उनके सम्मान का प्रमाण है। मथुरा के परखम में भाजपा के दो दिवसीय चिंतन शिविर में एसआईआर अभियान पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यकर्ताओं से बूथों पर सक्रिय होकर मतदाता सूची से हटे नामों को दोबारा जुड़वाने के लिए अभियान चलाने को कहा।मथुरा के गांव परखम हुए भाजपा के दो दिवसीय चिंतन शिविर के अंतिम दिन मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने बैठक में साफ कहा कि कार्यकर्ताओं को बूथों पर जाना होगा। जो वोट कट गए हैं उन्हें फिर से सूची में शामिल कराना ही होगा। इसके लिए खास तौर पर बूथ पर यूथ के प्लान के साथ काम करना होगा। चिंतन शिविर विधानसभा चुनाव 2027 को जीतने की योजना तैयार की गई। विभिन्न मुद्दों पर मंथन हुआ। बैठक में खास तौर से एसआईआर पर चर्चा हुई। दरअसल एसआईआर पूरे देश में घमासान मचा हुआ है। लोगों का कहना है एसआईआर में वोट कट गए हैं। खास तौर से यूपी भाजपा के रणनीतिकार इस पर बेहद नाराज हैं। बैठक में भाजपा थिंक टैंक ने कहा कि एसआईआर में सबसे ज्यादा वोट भाजपा के ही मतदाताओं का कटा है।इस पर सीएम ने सबसे मजबूती से बैठक में अपनी बात रखी। कहा कि कटे वोटर को वापस लाना ही होगा। एसआईआर पर नया अभियान शुरू हो रहा है। इसमें पूरी ताकत लगानी होगी। खास तौर से युवाओं को एक्टिव करो। जिला स्तर पर सभी टीमें एक्टिव हो जाएं। तहसील से लेकर ब्लॉक और ब्लॉक से बूथ पर काम हो। हर बूथ पर यूथ की टीम खड़ी होनी चाहिए। दरअसल सीएम खुद कह चुके हैं कि एसआईआर में मुस्लिम वोटरों में 1.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।दूसरी 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं। एसआईआर से पहले चुनाव में 15.44 करोड़ वोट थे जबकि एसआईआर के बाद 13.39 करोड़ वोट रह गए। यह कमी भाजपा के विजयी अभियान में बेड़ी डालने का काम कर सकती है। इसे दुरुस्त करना ही होगा। सीएम ने एसआईआर पर सबसे ज्यादा फोकस करने को कहा।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी की किताब पर शिवसेना का हमला: संजय निरुपम बोले- सावरकर का अपमान बर्दाश्त नहीं, पेज 201-443 हटाएं

सोनिया गांधी की किताब में वीर सावरकर को लेकर की गई टिप्पणी ने महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। शिंदे शिवसेना ने किताब के पन्ने फाड़कर विरोध जताया और उद्धव ठाकरे से कांग्रेस के साथ गठबंधन पर सवाल किए।कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब को लेकर महाराष्ट्र में विवाद बढ़ता जा रहा है। वीर सावरकर पर की गई टिप्पणियों को लेकर शिवसेना ने विरोध जताया और किताब की पन्ने फाड़े। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय निरुपम और राष्ट्रीय सचिव शाइना एनसी ने मुंबई में बयान जारी कर किताब के कुछ हिस्सों पर आपत्ति जताई। शिवसेना नेताओं ने प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स से किताब के पेज नंबर 201 और 443 हटाने की मांग की है। संजय निरुपम बोले- बालासाहेब ठाकरे सावरकर का सम्मान करते थे शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि वीर सावरकर को लेकर पहले भी बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। । था और इसका असर मुंबई तक पहुंचा था। निरुपम ने बालासाहेब ठाकरे का जिक्र करते हुए कहा कि उनके मन में सावरकर के प्रति बहुत सम्मान था।उन्होंने दावा किया कि शिवाजी पार्क में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान बालासाहेब ठाकरे ने मणिशंकर अय्यर के पुतले पर चप्पल मारी थी। निरुपम ने सवाल उठाया कि आज जो लोग खुद को बालासाहेब ठाकरे की विरासत का उत्तराधिकारी बताते हैं, वे इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं?

प्रतापगढ़ में धीरेंद्र शास्त्री बोले-हिंदू जाग रहा है, सनातनी...



प्रतापगढ़ में कथाव्यास बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान कृष्ण पर दिए बयान को लेकर मीडिया के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अगर कथा रोकने की मांग उठेगी तो नमाज रोकने की मांग भी उठ सकती है।प्रतापगढ़ के कुंडा के बेंती परेड ग्राउंड में कथा समापन के बाद देर रात कथाव्यास बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान कृष्ण पर दिए बयान को लेकर मीडिया के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हमारे तो नाम में ही कृष्ण है। हम 21 नवंबर को मथुरा जाने वाले हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम बहुत सफाई इसलिए नहीं देते क्योंकि हम अपना कार्य करने निकले हैं तो स्वाभाविक है कि तरह-तरह की बात होगी। वह अपना काम कर रहे हैं, हम अपना काम कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत अपने धर्म का प्रचार करने का हमें संपूर्ण हक है।उस अनुसार कथा नहीं रोकी जा सकती। अगर कथा रोकी जाएगी तो फिर नमाज भी रोकी जाएगी। चर्च की प्रार्थना भी रोकी जाएगी। ऐसा होगा तो व्यवस्था बिगड़ जाएगी। हिंदू जाग रहा है, सनातनी जाग रहा है, मुखरता के साथ हिंदुओ ने अब जवाब दिया है।कथाव्यास धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि बेंती में एक तरफ गंगा बह रही हैं तो दूसरी ओर आज से चार दिन तक राम कथा की गंगा बहेगी। ऐसा लगा रहा है कि जैसे कुंडा में प्रयागराज का महाकुंभ लग गया हो। चारों तरफ सनातनियों का सैलाब है। सनातन के प्रखर और मुखर व हिंदुत्व के लिए जीने वाले मेरे अति प्रिय रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की ओर से यह उत्सव नहीं, सनातन का जागरण महोत्सव कराया जा रहा है। संत, महंत, महात्मा, राजपीठ और व्यासपीठ से लोग पहुंच गए। कथा में देरी होने पर कथाव्यास ने माफी मांगी। कथाव्यास ने कहा कि पहली बार पाकिस्तानी हिंदुओं को सुनाने में आनंद आ रहा है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। कल सुबह पाकिस्तानी हिंदुओं से हवन भी करवाएंगे। जिस राज्य की प्रजा प्रसन्न, वही राम राज्य = धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कुंडा के बेंती राजभवन में कथा शुभारंभ के बाद बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने कहा था कि जिनके राज्य में पूरी प्रजा प्रसन्न रहे, वही राम राज्य है। जिस राज्य में राजा प्रसन्न रहे, वह रावण राज्य है। मंगलवार दोपहर तीन बजे शुरू हुई रामकथा में कथावाचक ने कहा जिस राज्य में नारी भोग्य नहीं बल्कि पूज्य होती है, वही राम राज्य है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ही ब्रह्म हैं। उनसे आदर्श चरित्र किसी का नहीं हो सकता है। कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि आज गोपाष्टमी है। यह ठाकुर जी की अष्टमी है। इसी दिन ठाकुर जी ने गाय चरानी शुरू की थी। आज ही के दिन प्रतापगढ़ की धरती पर जन्मे धर्म सम्राट स्वामी करपात्री ने गाय माता के मुद्दे को लेकर संसद की ओर कूंचकर आंदोलन छेड़ा था। गोपाष्टमी के दिन ही कुंडा में रामकथा की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि सनातन और रामकथा का मतलब सब को जोड़ना है। प्रभु राम जन जन के हैं।

69000 शिक्षक भर्ती, प्राइमरी स्कूल बंदी और पेपर लीक;भाजपा को मुद्दों पर घेरा



सीएम योगी के गढ़ गोरखपुर में रोड शो के बाद चौरी चौरा के देवकही में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर निशाना साधा। 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े विवाद को उठाते हुए अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिलने का आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि पीडीए की सरकार बनने पर अभ्यर्थियों को न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने प्रदेश में 20 से अधिक पेपर लीक होने का दावा करते हुए कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग के युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है।सपा प्रमुख ने कहा कि युवाओं को रोजगार और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की जरूरत है। सरकार को भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों को उनका अधिकार मिल सके।अखिलेश यादव ने पेपर लीक के मुद्दे पर भी प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के बच्चे दिन-रात मेहनत करके परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। उनके माता-पिता अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करते हैं, लेकिन परीक्षा से पहले पेपर लीक होने से उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। प्रभावित हुआ है। उन्होंने सरकार पर युवाओं की उम्मीदों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया।सपा प्रमुख ने 69 हजार शिक्षक भर्ती के मामले को उठाते हुए इसे आरक्षण से जुड़ा गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि इस भर्ती में अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है। अभ्यर्थियों ने अपने हक के लिए लंबी लड़ाई लड़ी और हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें उनका हक नहीं मिल पाया है। अखिलेश यादव ने कहा कि पीड़ित अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) की सरकार बनने पर अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने का काम किया जाएगा।

नेतृत्व चाहेगा तो चुनाव लड़ूंगा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने जताई इस सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा



उत्तराखंड के पूर्व सीएम व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने अपनी चुनावी मंशा जाहिर की है। उनका कहना है कि खानपुर और लक्सर की जनता चाहती है कि वह उनका प्रतिनिधित्व करें। हालांकि, चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व को करना है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात में चुनाव लड़ने के संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। हालांकि प्रदेश नेतृत्व चाहेगा तो वह चुनाव लड़ेंगे। हरदा ने हरिद्वार की खानपुर, लक्सर और इसके आसपास की किसी सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। राजनीतिक व चुनावी रणनीति पर लंबी चर्चा हुई है। उन्होंने उत्तराखंड में कांग्रेस को सत्ता में लाने और कम से कम 45 सीटें जीतने का रोडमैप भी राष्ट्रीय नेताओं के सामने रखा। दिल्ली से लौटने के बाद चुनाव लड़ने के सवाल पर हरदा ने कहा, मैं अपनी मंशा पहले ही जाहिर कर चुका हूं कि मुझे पद की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है मगर प्रदेश कांग्रेस को तय करना है कि हरीश रावत चुनाव लड़े या न लड़े। हरिद्वार की खानपुर व लक्सर सीट की जनता चाहती है कि मैं एक बार उनका प्रतिनिधित्व करूं। अब यह पार्टी को तय करना है। अगर पार्टी नहीं चाहती है कि चुनाव लड़ूं तब भी मैं पार्टी को सत्ता में लाने के लिए जी जान से मेहनत करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही वह राष्ट्रीय नेताओं से दोबारा मुलाकात करेंगे। कहा कि उत्तराखंड में आगामी चुनाव के लिए पार्टी को स्थानीय मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाते हुए काम करने और जनता के बीच जाने की जरूरत है।

संपादकीय Editorial

The Clean Story of Theog

The city of Theog in Himachal Pradesh has secured a place in the top 20 on the national cleanliness index, which is a promising development. Otherwise, even Shimla has become a weak link in waste management. The scale of urbanization in Himachal is mediocre, while the need for civic amenities is comparable to the metro. Himachal's cities have been primarily administrative, so the implementation of plans and projects remains government-run. Parameters for defining a hill town have never been established. Meanwhile, if Bhuntar merged with Kullu or Mandi-Sundernagar, our system remained oblivious. Almost every city is expanding its urban lifestyle by connecting with surrounding villages, but the evidence is the growing filth and garbage heaps. The presence of stray animals and monkeys has increased the challenges of urban governance. Councillors, who play politics in the structure of urban bodies, are incapable of ensuring robust sanitation plans. Even from a departmental perspective, the needs of urban bodies were never assessed, resulting in no role model being developed across the state. When the old city of Bilaspur was being submerged, there was an opportunity to develop a new city that would guide the state's urbanization. When Dharamshala and Shimla were awarded Smart City designations, hopes were raised that the state's urbanization would reach its desired destination, but the opposite occurred. Surprisingly, natural drainage has not been maintained in any of the state's cities. The state's religious cities have been left to fend for themselves, whereas they should have permanent and efficient sanitation arrangements.

If the living spaces of residents in the design of an industrial city like BBN are filled with filth, what is our vision? Are we developing Shimla as the state capital or are we embellishing its heritage value? Is there a balance between the areas of Shimla that have received tourism and those that have spread urbanization? Dharamshala's garbage graveyard has been burning for years, so where are the plans?

It's surprising that Himachal Pradesh hasn't been able to adapt to urbanization, while we haven't been able to protect rural areas. While the number and size of urban bodies are growing, their leadership and financial capacity lack the capacity to implement long-term plans. In such a situation, if the Theog Municipal Council has broken taboos and achieved national standards in cleanliness, congratulations to the people, public representatives, and government officials. If Theog's wet waste is being converted into compost or dry waste is being burned as fuel in the Ambuja Cement Industry, then the entire state of Himachal needs similar performance.

Some panchayats in the state have also developed successful waste management systems of their own. The state should develop a comprehensive plan for the reuse of industrial and urban waste. If the food waste that is being wasted in the urban environment is connected to cow shelters, every household can become a cattle breeder. Half a dozen urban and rural development authorities should be formed across the state, working on cluster planning to set standards for urban and rural sanitation.

New Political Equations

New political equations are forming ahead of the elections, with the AIMIM and Azad Samaj Party forming an alliance in Uttar Pradesh, while the Shiromani Akali Dal and BJP are expected to reunite in Punjab. AIMIM and Azad Samaj Party have formed an alliance in Uttar Pradesh.

The possibility of a Shiromani Akali Dal-BJP alliance has increased in Punjab. New equations could harm the SP-Congress and benefit the BJP. The formation of new political equations before elections is not uncommon. It is not surprising that, among the five states with legislative assemblies, in Uttar Pradesh, Asaduddin Owaisi of the AIMIM and Chandrashekhar Azad of the Azad Samaj Party-Kanshi Ram have decided to contest the elections together, while in Punjab, the possibility of the Shiromani Akali Dal and BJP joining forces has increased. Owaisi and Chandrashekhar have not only decided to contest the elections together, but have also announced their intention to contest all 403 seats, naming their alliance the Samajik Parivartan Morcha. This front has also declared Chandrashekhar as its chief ministerial candidate. Even if this new front fails to achieve major electoral success, it could pose challenges for the SP.

In the PDA (Public Declaration of Declaration) that SP chief Akhilesh Yadav speaks of, the D stands for Dalit and the A stands for minority, i.e., Muslims. It is clear that the Social Change Front will focus on Dalit and Muslim votes. This could harm the SP as well as the Congress, which is ready to contest the elections in alliance with it. Even if the Social Change Front's candidates do not win in large numbers, they could defeat the SP-Congress candidates. If this happens, the BJP will benefit.

In Punjab, the BJP could also benefit from contesting elections in alliance with the Shiromani Akali Dal.

With the BJP's support, the Shiromani Akali Dal could also become a contender for power. It is a fact that the alliance between these two parties has helped them come to power in the past. The Shiromani Akali Dal has been one of the BJP's oldest allies. It broke ties with the BJP for narrow political reasons, protesting against the agricultural laws. This resulted in significant political losses, resulting in only three seats in the last assembly elections. Similarly, only one of its candidates won in the last Lok Sabha elections.

Since its declining support base is forcing it to align with the BJP again, the BJP appears poised to bargain hard with it over seat-sharing. Although a section of BJP leaders favor contesting the elections on their own, they too realize that the support of the Akali Dal could easily take them to power in Punjab. At present, it is difficult to say whether the BJP and the Akali Dal will come together again, and if so, in what form. However, there is no doubt that the alliance between these two parties will also help strengthen the social unity of Punjab.

Prepare to reduce dependence on China

China has extended the interim moratorium on rare earth export restrictions for two months, providing temporary relief to global industries. India, which is heavily dependent on China for rare earth magnets, needs to increase its self-reliance and develop alternative strategies. China extended the moratorium on rare earth export restrictions.

Global industries, especially India, are dependent on China. India must develop a strategy for rare earth self-sufficiency. On November 9th, the Chinese Ministry of Commerce announced that the interim moratorium on certain export restrictions was being extended by two months. This means that the decision to implement the export ban has been postponed until January 10th. This means that industries around the world have received two months of immediate relief. This statement is nothing less than a major strategic concession for factories in Germany, Japan, and India, as well as for countries engaged in strategic preparations. This decision by China will determine the fate of global automobile and defense equipment companies: whether they will continue to operate smoothly for the next two months or will they come to a standstill.

Rare earths are a group of 17 metals. However, these elements aren't as rare as their name implies. What makes them rare is the ability to isolate and refine them. This process is extremely complex, polluting, and expensive. Refined rare earth elements are used to make small, extremely powerful magnets. These magnets are found inside electric vehicles, air turbines, smartphones, hard drives, fighter jets, and guided missiles. Their importance can be understood from the fact that even a small magnet, if not delivered on time, can halt the operation of even the largest factory. China completely dominates the entire supply chain of rare earths. According to the International Energy Agency (IEA), in 2024, China's share in the mining of rare earth minerals used in magnet manufacturing was approximately 60 percent, in the refined materials approximately 91 percent, and in the production of finished magnets approximately 94 percent. For heavy rare earth metals like dysprosium and terbium, China's share is almost 100 percent. These metals keep magnets effective and efficient even at high temperatures.

Rare earths are available in many countries, including India, but they are not readily available for refining, posing a significant strategic obstacle. How did this situation arise? In April 2025, China imposed export controls on select rare earth minerals, requiring licenses for their supply.

In October 2025, it unexpectedly expanded the scope of these restrictions to include industrial diamonds and lithium battery technology. The following month, on November 9th, following an agreement between Chinese President Xi Jinping and US President Donald Trump in South Korea, these restrictions were suspended for a year. The November 9th announcement extends the interim suspension by two months as Washington and Beijing negotiate a permanent trade agreement. It should be noted that the suspension of controls has only been postponed, not abolished. These restrictions are still enshrined in Chinese regulations and can be reimposed at any time. Three reasons are cited for China's actions. First, to increase its bargaining power in trade negotiations. While licensing isn't a complete ban, when a country with over 90 percent of global supply takes such a step, it is enough to disrupt all supplies. Second, to retaliate against US sanctions on semiconductors and cutting-edge technology. Third, to pursue its long-term industrial strategy. For four decades, China has invested heavily in refining, endured environmental pollution, and sold its products at prices far below those of its competitors, ensuring that no alternative production system can be developed anywhere in the world, and any other country that does so will be at a disadvantage. A fourth reason is to ensure the world remembers who is in control of the game. In 2010, during a territorial dispute, China banned the export of rare earths to Japan. China can teach anyone a lesson whenever it wants. While this has profound implications for the entire world, its impact on India is quite direct.

In the 2024-25 fiscal year, India imported 53,748 tons of rare earth magnets, more than 90 percent of which came from China. Our electric vehicle, wind energy goals, and electronics manufacturing ambitions depend on these imports. At 6.9 million tons, India has the world's third-largest rare earth reserves, trailing only China and Brazil. Despite this, India produced only 2,900 tons in 2024, less than one percent of global production. We mine very little and refine even less. It's true that the government has taken some steps. It has launched the National Critical Mineral Mission and is allocating resources for it, but this alone will not suffice. Producing everything at home is not self-reliance. It is neither a very sustainable option nor the most sensible one. Therefore, India needs to develop a strategy. We need to look at goods that are sold by many countries and that we can buy directly from the market.Wherever there is potential for ore exploitation and production, subsidies to develop domestic capacity are entirely justified. Rare earth refining and magnet manufacturing fall into this category. Remember, China has granted a moratorium until January 10th.

This doesn't mean we should sit idle. This concession could expire at any time. Therefore, if we have time, we should lay a strong foundation without wasting it.

मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह एवं जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने स्व-गणना के अंतर्गत दर्ज की अपने परिवार की जानकारी





जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत संचालित स्व-गणना (Self Enumeration) प्रक्रिया को जनपद में प्रभावी रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह एवं जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने स्व-गणना प्रक्रिया में सहभागिता करते हुए निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर अपने परिवार एवं आवास से संबंधित आवश्यक विवरण दर्ज किया।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी अपील की कि वे जनगणना-2027 की स्व-गणना सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए निर्धारित समयावधि में अपने परिवार एवं आवास आदि से संबंधित सही एवं पूर्ण जानकारी ऑनलाइन दर्ज करें।

स्व-गणना की सुविधा के माध्यम से नागरिक अपने घर से ही जनगणना प्रक्रिया में सहभागिता कर सकते हैं।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 नवंबर से 30 नवंबर तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए नागरिकों को जनगणना विभाग के निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल https://se.census.gov.in पर जाकर स्वयं-गणना प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

परिवार का मुखिया अथवा परिवार का कोई अन्य सदस्य अपने परिवार एवं आवास से संबंधित निर्धारित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकता है।

उन्होंने कहा कि जनगणना देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास की योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के माध्यम से जनसंख्या के साथ-साथ परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आवासीय परिस्थितियों तथा विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित आवश्यक आंकड़े प्राप्त होते हैं।

श्रीजी के माध्यम से राजस्व शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर मंडलायुक्त का जोर

मुरादाबाद मंडल में 24 सितंबर से 03 नवंबर तक 30 प्रकरण दर्ज, सभी का निर्धारित समयावधि में निस्तारण मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने श्रीजी (SRRIGI-Smart Revenue Initiative for Good Governance) व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त राजस्व विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण शिकायतों एवं प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा की। इस व्यवस्था का उद्देश्य राजस्व संबंधी शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना है। मंडलायुक्त ने बताया कि 24 सितंबर 2026 से 03 नवंबर 2026 तक कुल 30 प्रकरण श्रीजी के अंतर्गत दर्ज किए गए, जिनमें सभी प्रकरणों का निर्धारित समयावधि के भीतर निस्तारण किया गया। प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा के दौरान प्रत्येक सप्ताह सोमवार को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जनसुनवाई (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) के माध्यम से प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति पर चर्चा की गई। इस दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि संबंधित उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा प्रकरणों का स्वयं स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा रहा है अथवा नहीं। समीक्षा में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ प्रकरणों में उपजिलाधिकारी/तहसीलदार स्तर पर न्यायालय में पंचायती विचाराधीन प्रकरण होने के कारण निर्धारित समय के अनुसार निस्तारण में विलंब की स्थिति उत्पन्न हो रही है। मंडलायुक्त ने ऐसे प्रकरणों में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कुछ प्रकरणों में ग्राम समाज, तालाब एवं पशुचर की भूमि पर किए गए कब्जे तथा सक्रमणीय भूमिधर की भूमि पर कब्जे की शिकायतें भी पाई गईं। मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा भूमि को कब्जामुक्त कराया जाए। श्रीजी व्यवस्था का उद्देश्य राजस्व संबंधी शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए समयबद्ध एवं नियमानुसार निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की नियमित समीक्षा जारी रहेगी और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

अटल आवासीय विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2027-28 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ, आवेदन की अंतिम तिथि 5 जनवरी

उप श्रमायुक्त श्री दीप्तिमान भट्ट ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालय, ग्राम पीपली, तहसील बिलारी में शैक्षिक सत्र 2027-28 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी 2027 रविवार को आयोजित होगी।

अटल आवासीय विद्यालय में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा कोविड-19 के कारण निराश्रित हुए बच्चों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जाती है। शैक्षिक सत्र 2027-28 में कक्षा-6 के लिए कुल 140 छात्र-छात्राओं का चयन किया जाएगा, जबकि कक्षा-9 में विद्यालय में उपलब्ध रिक्त सीटों के सापेक्ष प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कक्षा-6 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के मध्य तथा कक्षा-9 में प्रवेश के लिए 1 मई 2012 से 31 जुलाई 2014 के मध्य होनी अनिवार्य है। प्रवेश के लिए उपलब्ध कुल सीटों में 50 प्रतिशत सीटें छात्राओं के लिए आरक्षित रहेंगी। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आरक्षण का लाभ प्रदान किया जाएगा।

निर्माण श्रमिकों के ऐसे बच्चे प्रवेश के लिए पात्र होंगे, जिनके माता-पिता का पंजीकरण अद्यतन एवं विधिवत हो तथा जिन्होंने 30 अक्टूबर 2026 तक पंजीकरण के उपरांत कम से कम तीन वर्ष की सदस्यता पूर्ण कर ली हो। प्रत्येक पंजीकृत निर्माण श्रमिक के अधिकतम दो बच्चे आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कोविड-19 के कारण अनाथ हुए ऐसे बच्चे भी आवेदन के पात्र होंगे, जो महिला एवं बाल कल्याण विभाग में पंजीकृत हों अथवा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत पंजीकृत हों। प्रवेश परीक्षा के संबंध में उन्होंने बताया कि कक्षा-6 की परीक्षा में मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित एवं भाषा परीक्षण से संबंधित कुल 80 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा कुल 100 अंकों की होगी तथा इसके लिए दो घंटे का समय निर्धारित किया गया है। वहीं कक्षा-9 की प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी, हिंदी, गणित एवं विज्ञान विषयों से संबंधित कुल 100 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रवेश आवेदन पत्र मुरादाबाद मंडल के समस्त जनपदीय श्रम विभाग कार्यालयों, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय तथा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट ह्वश्वड्ढश्रष्ठ२.द्बठ्ठ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र 20 नवंबर 2026 से 5 जनवरी 2027 तक मुरादाबाद मंडल के समस्त जनपदीय श्रम विभाग कार्यालयों में जमा किए जाएंगे।

उप श्रम आयुक्त ने सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वे अपने श्रमिक पंजीकरण का समय से नवीनीकरण सुनिश्चित कराएं तथा पात्र बच्चों के आवेदन निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करें, ताकि उनके बच्चे प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होकर निःशुल्क आवासीय शिक्षा का लाभ प्राप्त कर सकें।

मुरादाबाद आंगनबाड़ी भर्ती: चयन सूची में नाम आने के बाद भी टूटा नौकरी का सपना, जांच के बाद 29 पद खाली घोषित

मुरादाबाद में आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती में निवास प्रमाण पत्र और दोहरी चयन जैसी गड़बड़ियों के कारण कई नियुक्तियां फंसीं। जांच के बाद 29 पद रिक्त घोषित किए गए, जबकि 61 पदों पर नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। नौकरी देने से पहले नहीं जांचे दस्तावेज, निवास प्रमाण पत्र ही बन गए दीवारनौकरी की उम्मीद में आवेदन किया, चयन सूची में नाम भी आ गया, लेकिन नियुक्ति की बारी आइ तो निवास प्रमाण पत्र ही रास्ते का



रोड़ा बन गया। आंगनबाड़ी सहायिका के 100 चयनित पद सत्यापन की उलझन में फंस गए। कहीं तहसील और नगर निगम की रिपोर्ट में अंतर था तो कहीं एक ही अभ्यर्थी का एक से अधिक स्थानों पर चयन सामने आया।दैनिक जागरण ने इस गड़बड़ी को उजागर किया तो विभाग हरकत में आया। बताया कि दोबारा जांच के बाद 29 पद रिक्त घोषित कर दिए गए हैं, जबकि 10 पदों पर अभी भी सत्यापन का इंतजार है।नगर क्षेत्र में आंगनबाड़ी सहायिका के 265 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे गए थे। विभागीय जानकारी के मुताबिक इनमें 44 पद ऐसे रहे, जिनके लिए किसी ने आवेदन ही नहीं किया।34 पदों पर आवेदन तो पहुंचे, लेकिन अभ्यर्थी पात्रता के मानकों पर खरे नहीं उतरे। इस तरह 78 पद पहले ही चयन की दौड़ से बाहर हो गए। शेष 185 पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया।चयन सूची में नाम आने के बाद 85 अभ्यर्थियों के लिए नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। इनके निवास संबंधी दस्तावेजों पर तहसील और नगर निगम की रिपोर्ट में कोई अंतर नहीं मिला, इसलिए नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए।मगर, बाकी 100 अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर विभाग ने रोक लगा दी। इन मामलों में दोनों विभागों की रिपोर्ट मेल नहीं खा रही थी। कुछ अभ्यर्थियों का एक से अधिक स्थानों पर चयन भी सामने आया।मामला उलझने पर मुख्य विकास अधिकारी ने एसीएम प्रथम, सीटीओ और बीडीओ की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय समिति गठित की। नगर निगम से सभी 100 मामलों का दोबारा सत्यापन कराया गया।अब जांच के बाद जो तस्वीर सामने आई है, वह भर्ती प्रक्रिया पर कई सवाल खड़े करती है। 46 अभ्यर्थियों का पहले हुआ चयन दोबारा जांच में सही पाया गया। 15 पदों पर दूसरी वरीयता के अभ्यर्थियों को चयनित किया गया।इस तरह 61 पदों पर नियुक्ति का रास्ता साफ हुआ। 29 पद रिक्त घोषित कर दिए गए। इन पर पहले चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं मिल सकेगी। 10 पद ऐसे हैं, जिन पर अभी भी सत्यापन की जरूरत बताई जा रही है यानी चयन प्रक्रिया के बाद भी विभाग सभी मामलों का निस्तारण नहीं कर सका है।जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेंद्र राय ने बताया कि 61 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों की सूची संबंधित वार्ड के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। अभ्यर्थी जिला कार्यक्रम कार्यालय से नियुक्ति आदेश भी प्राप्त कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस पर अब 14 दिसम्बर को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने बताया है कि प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन अनुभाग-1, लखनऊ द्वारा जारी शासनादेश के उन्होंने बताया कि पूर्व में श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस के अवसर पर दिनांक 24 नवम्बर, 2026 (दिन मंगलवार) को घोषित अवकाश को परिवर्तित करते हुए अब दिनांक 14 दिसम्बर, 2026 (दिन सोमवार) को कार्यकारी आदेशों के अधीन अवकाश घोषित किए जाने का निर्णय लिया गया है। जनपद मुरादाबाद में श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस के अवसर पर दिनांक 14 दिसम्बर, 2026 (दिन सोमवार) को कार्यकारी आदेशों के अधीन सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक फेरबदल, तीन BDO का मुरादाबाद से तबादला

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच मुरादाबाद जिले में प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर तीन खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) का तबादला कर दिया गया है, जिनमें सामूहिक विवाह घपले में हटाए गए प्रेम सिंह भी शामिल हैं।तीन बीडीओ का कार्यकाल पूरा होने पर तबादला किया गयासामूहिक विवाह घपले में शामिल प्रेम सिंह का भी तबादला-विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक फेरबदल को महत्वपूर्ण माना जा रहाविधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच जिले में प्रशासनिक फेरबदल शुरू हो गया है। तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर जिले के तीन खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) का तबादला कर दिया गया है। इनमें मूंढापांडे विकास खंड से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के दौरान पकड़े गए घपले में हटाए गए बीडीओ प्रेम सिंह भी शामिल हैं। इन्हें अलीगढ़ भेजा गया है।इसके अलावा छजलैट की बीडीओ स्वाति का तबादला हापुड़ और कुंदरकी के बीडीओ राजेंद्र सिंह का तबादला सहारनपुर किया गया है। तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर हुआ तबादला-तीनों अधिकारियों के तबादले के बाद जिले के विकास खंडों में नए अधिकारियों की तैनाती होगी। अमरोहा से विजय कुमार और बिजनौर से राजीव कुमार को मुरादाबाद आ रहे हैं। दोनों अधिकारियों को जिले में तैनाती दी जाएगी। इससे विकास खंडों में प्रशासनिक कामकाज की जिम्मेदारी नए अधिकारियों के हाथ में होगी। मूंढापांडे के बीडीओ रहे प्रेम सिंह का नाम सामूहिक विवाह योजना में गड़बड़ी के मामले को लेकर भी चर्चा में रहा था। इस प्रकरण के बाद उन्हें मूंढापांडे से हटाया गया था।जिले में अमरोहा-बिजनौर से दो नए बीडीओ आएंगे इसी तरह छजलैट में तैनात खंड विकास अधिकारी स्वाति को मुरादाबाद ब्लाक से हटाकर मुख्यालय से संबद्ध कर लिया गया था। हाल ही में उनकी छजलैट में तैनाती हुई थी। अब छजलैट व कुंदरकी में भी नए अधिकारियों की तैनाती का रास्ता साफ हो गया है। विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही प्रशासनिक मशीनरी में बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।चुनाव से पहले तबादला बने चर्चा का विषय-चुनाव से पहले अधिकारियों का कार्यकाल और उनकी तैनाती की अवधि भी तबादलों का आधार बन रही है। तीन साल से एक ही जिले या स्थान पर तैनात अधिकारियों को हटाने की प्रक्रिया के तहत यह बदलाव किए गए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में दूसरे विभागों में भी इसी तरह के प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिल सकते हैं।

डाक विभाग की नई पहल: घर बैठे मिलेगा जीवन प्रमाण पत्र, मुरादाबाद में 30 पोस्टमैन को सौंपी जिम्मेदारी

डाक विभाग ने मुरादाबाद में पेंशनरों को घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाने की सुविधा शुरू की है। 30 डाकियों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, हालांकि जागरूकता की कमी से अभी भी कई पेंशनर कोषागार पहुंच रहे हैं।डाक विभाग घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बना रहा है मुरादाबाद में 30 डाकियों को यह जिम्मेदारी मिली है 70 रुपये शुल्क पर घर बैठे सुविधा उपलब्ध है पेंशनरों को जीवन प्रमाणपत्र बनवाने के लिए कोषागार के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए डाक विभाग ने घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाने की सुविधा का प्रचार शुरू कर दिया है। जिले में 30 डाकियों को अपने-अपने क्षेत्रों के पेंशनरों के घर पहुंचकर प्रमाणपत्र बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

चौबारी मेले में मुख्य स्नान की तैयारी तेज, रामगंगा किनारे सजने लगे घाट

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) चौबारी मेले में मुख्य स्नान की तारीख नजदीक आते ही रामगंगा किनारे तैयारियां तेज हो गई हैं। 24 नवंबर को होने वाले मुख्य स्नान में बरेली के अलावा आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

इसे देखते हुए नदी किनारे घाटों को तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। स्नान के लिए उपयुक्त स्थानों को समतल कर सुरक्षित बनाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को नदी में उतरने के दौरान परेशानी न हो। मुख्य स्नान के लिए अब कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में मेला परिसर से लेकर रामगंगा तक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की कवायद चल रही है। श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनाने के लिए नदी तक पहुंचने वाले रास्तों को दुरुस्त किया जा रहा है। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि स्नान के दिन भीड़ को व्यवस्थित तरीके से घाटों तक पहुंचाया जा सके और किसी तरह की अव्यवस्था न हो। नदी में गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी। इसके साथ ही सुरक्षा के लिहाज से गोताखोरों और नावों की व्यवस्था भी रहेगी। घाटों को तैयार करने और रास्तों को ठीक कराने का काम पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं के लिए स्नान की व्यवस्थाएं और स्पष्ट हो सकेंगी।

पारंपरिक खेती छोड़ व्यावसायिक व जैविक बागवानी अपनाएं किसान

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) । एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत उद्यान विभाग द्वारा आई.वी.आर.आई. इज्जतनगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम (17 व 18 नवंबर) का सफल आयोजन किया गया। उप निदेशक उद्यान डॉ. धर्म पाल यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 50 से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया।पहले दिन मिले व्यावसायिक व जैविक खेती के गुर 17 नवंबर को आयोजित कार्यशाला में के.वी.के. अध्यक्ष डॉ. अरविन्द सिंह तेतरवाल और उद्यान विशेषज्ञ डॉ. रंजीत सिंह ने किसानों को पारंपरिक खेती के बजाय व्यावसायिक बागवानी अपनाकर आय बढ़ाने के तरीके बताए। इस दौरान प्रगतिशील कृषक प्रवीन कुमार गुप्ता ने जैविक खेती के महत्व और ड्रैगन फ्रूट की खेती की बारीकियां साझा कीं। उप निदेशक उद्यान डॉ. धर्म पाल यादव और जिला उद्यान अधिकारी जितेन्द्र कुमार ने किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करते हुए उद्यान विभाग की लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी।

दूसरे दिन प्रक्षेत्र भ्रमण कर देखी आधुनिक खेती-18 नवंबर को कार्यक्रम के दूसरे दिन किसानों को व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया । भोजीपुरा विकास खंड के ग्राम परधौली में प्रतीक बजाज की इकाई पर किसानों ने उच्च गुणवत्ता वाली केंचुआ खाद बनाने की विधि और इसके फायदे समझे।?

बिथरीचैनपुर के ग्राम तिगरा स्थित गॉडसन फार्म में प्रगतिशील किसान अनिल साहनी ने किसानों को अंगूर, रामफल और एवोकाडो जैसी बहुमूल्य फसलों की खेती दिखाते हुए इससे होने वाले भारी वित्तीय लाभ से अवगत कराया। इस अवसर पर उद्यान विभाग के अतुल गंगवार धवल कुमार गुप्ता , बृजेश पासवाल और महेन्द्र सिंह सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

फर्जी खाद्य अधिकारी बनकर ठगी करने वाले 4 शातिर गिरफ्तार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) आंवला थाना क्षेत्र में खुद को खाद्य सुरक्षा अधिकारी बताकर अवैध वसूली करने वाले चार शातिर ठगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला बीते दिन का है, जब कस्बा आंवला स्थित अजय कुमार गुप्ता की मिठाई की दुकान पर P.C.S. स्टीकर, हूटर और सायरन लगी एक सफेद अर्टिगा कार आकर रुकी। कार से उतरे चार लोगों ने खुद को खाद्य विभाग का अधिकारी बताया और मिलावटी मिठाई की शिकायत का डर दिखाकर दुकानदार से 10 हजार रुपये की मांग की। घबराए दुकानदार से आरोपियों ने 2 हजार रुपये वसूल भी लिए। हालांकि, दुकानदार को जल्द ही उन पर शक हो गया। उसने शोर मचाकर राहगीरों की मदद से चारों आरोपियों को गाड़ी समेत रोक लिया और रामनगर पुलिस चौकी के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों- मुकेश यादव, सुनीत कुमार, रजनेश और राजीव उपाध्याय को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने वसूले गए 2 हजार रुपये नकद, 3 मोबाइल फोन बरामद किए हैं और घटना में इस्तेमाल की गई अर्टिगा कार को सीज कर दिया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी मुकेश यादव पर पहले से ही हत्या, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चारों का चालान कर दिया है।

मेले ककोड़ा की तैयारीयों का जायजा लेने पहुंचे मंडलआयुक्त और डीआईजी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) जनपद बदायूं को में मण्डलायुक्त बरेली मण्डल शंभु कुमार एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र, बरेली मुनिराज जी द्वारा जिलाधिकारी बदायूँ श्री अवनीश राय एवं एसएसपी बदायूँ अंकिता शर्मा के साथ रुहेलखण्ड के प्रसिद्ध मेला ककोड़ा (मिनी कुंभ) का संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा मेला परिसर एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए मेले को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए घाटों की व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं, विद्युत व्यवस्था, आवागमन के मार्गों तथा यातायात एवं पार्किंग व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही मेला स्थल तक आने वाले मार्गों का निर्माण एवं मरम्मत निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत मेले में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन के माध्यम से सतत निगरानी, कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने, संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त गंगा घाटों पर गोताखोरों की तैनाती, पर्याप्त बैरिकेडिंग, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं पार्किंग स्थलों पर समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया । अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात को सुचारु रखने एवं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से ही सुनिश्चित की जाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन, स्वच्छता एवं बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा मेले का आयोजन पूर्ण सतर्कता एवं समन्वय के साथ सकुशल सम्पन्न कराया जाए । निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन श्री मानवेन्द्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, एसडीएम सदर श्री साईं अश्रित शाखमुरी, क्षेत्राधिकारी उझानी श्री राहुल पाण्डेय, मेला प्रभारी, थाना प्रभारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

वोट बचाओ-देश बचाओ चौपाल के तहत कांग्रेस की कार्यशाला, बूथ स्तर पर मतदाता सूची सत्यापन का मिला लक्ष्य

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बरेली। (ब्यूरो) जिला और महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आज %वोट बचाओ-देश बचाओ चौपाल अभियान% के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीसी पर्यवेक्षक तरुण त्यागी और यूपीसीसी पर्यवेक्षक व पूर्व विधायक संजय कपूर शामिल हुए।कार्यशाला में प्रोफेसर यशपाल सिंह ने बूथ प्रबंधन के गुर सिखाते हुए कहा कि सत्ता में वापसी के लिए बूथ स्तर पर मजबूत तैयारी जरूरी है। एआईसीसी पर्यवेक्षक तरुण त्यागी ने भाजपा पर मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथ पर एक-एक वोट का हिसाब रखने का आह्वान किया। वहीं, पूर्व विधायक संजय कपूर ने रामपुर की बिलासपुर विधानसभा का उदाहरण देते हुए कहा कि वैध मतदाताओं के नाम काटे जाना गंभीर विषय है और कार्यकर्ताओं को पूरी सतर्कता से सूची का सत्यापन करना होगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष असफाक सकलैनी ने घोषणा की कि प्रत्येक ब्लॉक की 3 से 5 न्याय पंचायतों में सम्मेलन कर भाजपा से हर मुद्दे पर हिसाब लिया जाएगा। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि मंडल अध्यक्ष बूथों पर जाकर कटे हुए वैध वोटों को दोबारा जुड़वाने में जनता की मदद करेंगे, क्योंकि लोकतंत्र में हर नागरिक का मताधिकार सुरक्षित रहना आवश्यक है।

?कार्यशाला का संचालन प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश अग्रवाल, कृष्णकांत शर्मा, जुनैद हसन एडवोकेट, डॉ. मेहंदी हसन, अनिल देव शर्मा, तबरेज खान, देवेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, प्रवीण मिश्रा, मनोज शर्मा, पूनम दीप सिंह एडवोकेट, रमेश श्रीवास्तव, तबस्सुम, जोया खान, गुड्डू खान, रिंकू वाल्मीकि, डॉ. दतराम, मुकेश वाल्मीकि, आसिफ खान, पाकीजा खान, रऊफ खान, अनुराग राठौर, राजाराम साहू, उल्फत सिंह, सुरेश दिवाकर, आबिद खान, रिहान अंसारी, रामपाल माली और छेड़ालाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

मेला ककोड़ा की तैयारियों का डीआईजी व कमिश्नर ने लिया जायजा, सुरक्षा के कड़े निर्देश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बदायूँ। (ब्यूरो)रुहेलखण्ड के प्रसिद्ध मिनी कुंभ कहे जाने वाले मेला ककोड़ा की तैयारियों को लेकर बुधवार को बरेली परिक्षेत्र के डीआईजी मुनिराज जी, मण्डलायुक्त शंभु कुमार, जिलाधिकारी अवनीश राय और एसएसपी अंकिता शर्मा ने मेला स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेला परिसर, गंगा घाट, संपर्क मार्गों और पार्किंग स्थलों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीआईजी मुनिराज जी ने मेला क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ ही सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निरंतर निगरानी रखने को कहा। उन्होंने गंगा घाटों पर गोताखोरों की तैनाती, मजबूत बैरिकेडिंग, अग्निशमन और कंट्रोल रूम को सक्रिय रखने पर जोर दिया। इसके अलावा साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने की हिदायत दी गई।

डीआईजी ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान एडीएम (प्रशासन) मानवेन्द्र सिंह, एसपी सिटी अभिषेक कुमार सिंह, एसडीएम सदर साईं अश्रित शाखमुरी, सीओ उझानी राहुल पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बिना कपड़ों के लाश, कत्ल से पहले क्रूरता; जन्मदिन की पार्टी करने झांसा देकर अनीता को गवां ले गया था राजू

अनीता हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी पति नेमपाल और उसके भांजे राजू सैनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल हथौड़ी और बाइक बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक राजू जन्मदिन की पार्टी में शामिल कराने का बहाना बनाकर अनीता को बाइक से गवां ले गया था, जहां मामा-भांजे ने हथौड़ी से हत्या कर शव खेत में दफना दिया था।अमरोहा के आदमपुर में अनीता हत्याकांड में पुलिस ने सोमवार को आरोपी पति नेमपाल और उसके भांजे राजू सैनी को न्यायालय में पेश किया। यहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई हथौड़ी और वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिला अस्पताल नहीं पहुंचे उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक

बरेली।(ब्यूरो) । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक बुधवार को बरेली पहुंचे। जहां उन्होंने योगवीणा लाइब्रेरी कार्यक्रम में उपस्थित हुए,



जहां मिलने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद वे कैंट के लिए रवाना हुए। सीधे अभय पुर में प्लाई फैक्ट्री का शुभारंभ किया। जिला अस्पताल का दौरा टला- उनका बुधवार को जिला अस्पताल का प्रस्तावित निरीक्षण दौरा रद्द हो गया है। अस्पताल में सुबह से उनके आने की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन वे वहां नहीं पहुंचे। इससे पहले उनके कार्यक्रम में रिठौरा और रिछा क्षेत्र में फैक्ट्री के उद्घाटन आदि शामिल रहे।

रोबोटिक्स से लेकर विज्ञान तक, 21 नवंबर को केशलता इंटरनेशनल स्कूल में प्रदर्शनी, स्कूलों के बच्चे दिखाएंगे हुनर

बरेली।(ब्यूरो) बच्चों की कल्पनाशीलता और वैज्ञानिक सोच को मंच देने के लिए केशलता इंटरनेशनल स्कूल में 21 नवंबर को वार्षिक प्रदर्शनी 'डिस्कवरी डोमेन-2' आयोजित की जाएगी। इसमें बरेली और बरेली के बाहर के स्कूलों के विद्यार्थी गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और रोबोटिक्स से जुड़े वर्किंग मॉडल प्रदर्शित करेंगे। प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगी। प्रदर्शनी में विद्यार्थी अपने बनाए मॉडल के जरिये अलग-अलग विषयों की उपयोगिता और उनमें छिपी संभावनाओं को प्रदर्शित करेंगे। रोबोटिक्स और विज्ञान के मॉडल के साथ गणित और सामाजिक विज्ञान से जुड़े प्रोजेक्ट भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, प्रयोग और नवाचार प्रस्तुत करने का अवसर देना है।



शमशाबाद संजय सागर परियोजना द्वारा नहर की सफाई टेल क्षेत्र ग्राम बेलानारा खैराई तरह पुलिया के पास देखा जा सकता है अभी तक नहीं हुई सफाई

विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) जिला शमशाबाद संजय सागर परियोजना के द्वारा नहर की सफाई व्यवस्था अभी तक नहीं हुई एवं किसानों का कहना है ,हमें पानी भी नहीं मिल रहा पानी की आशा में पंप पाइप खटिया डालकर वहीं रात रात भर आशा मैं बैठा रहता है लेकिन पानी नहीं पहुंच रहा है। है बेलानारा निवासी पूरन सिंह रघुवंशी के द्वारा बताया गया पानी न आने से किसानों





को विशेष परेशान हो रहा है 2 घंटे पानी आता है मजदूरों के लिए पूरे दिन की मजदूरी देना पड़ता है आशा में दिनभर गुजर जाता है किसान की निराशा दूर की जाए पानी नहर में लगातार चालू रहना चाहिए। एवं नहर की सफाई व्यवस्था भी होना चाहिए नहर विभाग के सक्षम अधिकारी अनदेखी कर रहे हैं जबकि आदेश यह है कि नीचे के किसानों के लिए पहले पानी पहुंचाया जाए एवं सफाई व्यवस्था भी कराई जाए। मौके पर ना सफाई ना पानी किसान परेशान पूरनसिंह रघुवंशी द्वारा बताया गया की नहर विभाग के कर्मचारियों के लिए भी हम लगातार फोन पर सूचना दे रहे हैं की सफाई व्यवस्था नहीं हुई एवं ना ही पानी किसानों को मिल रहा केवल आशा में ही किसान लटका हुआ है पूरन सिंह रघुवंशी का कहना है ग्रामीण क्षेत्र के सभी किसानों ने माननीय जिलाधीश कलेक्टर महोदय से इसकी जांच करवाने के एवं समय रहते पानी पहुंचाने की अपील की है।

पूर्व आचार्य का विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने किया भव्य स्वागत



@ क्यूँ न लिखूँ सच

समोदिया रामपुर । गुरु और शिष्य के बीच का संबंध समय के साथ और भी गहरा होता जाता है। इसी गुरु-शिष्य परंपरा की सुंदर मिसाल उस समय देखने को मिली, जब पूर्व छात्र परिषद के संयोजक सुमित सैनी एवं पूर्व छात्र प्रिंस सैनी अपने पूर्व आचार्य गिरीश शरण शर्मा को आदरपूर्वक उनके पुराने विद्यालय लेकर पहुंचे। यहां प्रधानाचार्य एवं समस्त आचार्य परिवार ने उनका भावपूर्ण स्वागत और सम्मान किया।

विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गिरीश शरण शर्मा ने लंबे समय तक शिक्षण कार्य किया था। स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह पैरालिसिस से प्रभावित हैं। उनके दाहिने हाथ और पैर पर इसका काफी असर है तथा बोलने में भी उन्हें कठिनाई होती है। इसके बावजूद अपने पूर्व विद्यालय और पुराने शिष्यों से मिलने की इच्छा उन्हें यहां खींच लाई।

विद्यालय पहुंचने से पहले उन्होंने अपने पुत्र सिद्धार्थ के साथ पूर्व छात्र संयोजक सुमित सैनी के घर रात्रि विश्राम किया। सुमित सैनी ने गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वहन करते हुए पूरे श्रद्धाभाव से उनकी सेवा की। भोजन, जलपान और स्नान आदि की व्यवस्था की। सर्दी को देखते हुए उन्होंने आचार्य गिरीश शरण शर्मा और उनके पुत्र सिद्धार्थ को गर्म कपड़े भी भेंट किए। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने शाल, जय श्रीराम का पटका और गर्म कंबल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही पिता-पुत्र को नजीबाबाद (बिजनौर) से विद्यालय तक आने-जाने के लिए नगद यात्रा व्यय भी प्रदान किया। इस दौरान वरिष्ठ आचार्य बृजकिशोर मौर्य एवं कार्यालय प्रमुख नरोत्तम सिंह मौर्य ने विशेष सहयोग किया। विद्यालय के भैया-बहनों ने अपने पूर्व आचार्य को अपने बीच पाकर प्रसन्नता व्यक्त की। गिरीश शरण शर्मा ने भी कई पूर्व विद्यार्थियों को पहचानकर उनके नाम लेकर बातचीत की और विद्यालय के आचार्यों एवं दीदियों से मुलाकात की। उनकी सरलता और आत्मीय व्यवहार से सभी भावविभोर हो गए। इस अवसर पर आचार्य उमेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार मौर्य, गौरव सिंह, संजय सिंह, दिलीप कुमार, विजेंद्र सिंह, प्रेमपाल, प्रकाश बाबू, अनिल कुमार तथा आचार्या सुनीता मौर्य, अंजली मौर्य, टैगोर, विनीता एवं विद्यालय सेविका कलावती उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त गिरीश शरण शर्मा ने डॉक्टर दीपचंद सरस्वती शिशु मंदिर, रुस्तम नगर पहुंचकर वहां के प्रधानाचार्य लक्ष्मण प्रसाद, उनकी धर्मपत्नी नीलम एवं अन्य आचार्यों से भी भेंट की। उन्होंने जिला सहकारी बैंक रुस्तम नगर में पूर्व में जमा अपनी धनराशि भी बैंक की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद प्राप्त की।यह मुलाकात गुरु-शिष्य के अटूट प्रेम, सम्मान और संस्कारों की ऐसी मिसाल बनी, जिसने विद्यालय परिवार को भावुक और गौरवान्वित कर दिया।

आंवला नवमी पर श्रद्धाभाव से किया वृक्ष का पूजन, भैया-बहनों को वितरित किया प्रसाद

@ क्यूँ न लिखूँ सच

समोदिया रामपुर । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रुस्तम नगर में बुधवार को आंवला नवमी का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। वंदना सभा के पश्चात विद्यालय परिसर स्थित आंवला वृक्ष का विधि-विधान से पूजन किया गया। इस अवसर पर आंवला वृक्ष को तिलक लगाकर, दीप प्रज्वलित कर तथा पवित्र रक्षा सूत्र बांधकर पूजन-अर्चन किया गया। वक्ताओं ने आंवला नवमी के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार आंवला वृक्ष को सृष्टि के आदि वृक्षों में माना गया है। इसकी पूजा करने से भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है तथा घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कार्तिक मास में आंवला वृक्ष के नीचे भोजन करने और भजन-कीर्तन करने की भी परंपरा है। आंवले के औषधीय महत्व की जानकारी देते हुए बताया गया कि आयुर्वेद में इसे अत्यंत गुणकारी फल माना गया है। इसमें मौजूद पोषक तत्व स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं। आंवले का सेवन शरीर को स्वस्थ रखने, त्वचा और आंखों के स्वास्थ्य तथा पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है।आंवले की खेती एवं उससे बनने वाले उत्पादों के विषय में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद में आंवले की बड़े पैमाने पर खेती होती है। आंवले से तेल, मुरब्बा, चटनी, बर्फी, लड्डू, पेड़ा सहित अनेक खाद्य पदार्थ तैयार किए जाते हैं, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ाने के अवसर भी मिलते हैं। कार्यक्रम में वंदना प्रमुख एवं कन्या भारती की



पदाधिकारी बहनों ने सहभागिता की। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में सही उत्तर देने वाले भैया-बहनों को आंवले का फल प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया। सभी ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पर्यावरण प्रमुख सुनीता मौर्य, वंदना प्रमुख पूजा टैगोर, कार्यक्रम प्रमुख अंजलि मौर्य एवं विनीता रानी सहित प्रेमपाल, दिलीप कुमार, संजय सिंह, उमेश कुमार, बृजकिशोर, अनिल कुमार, प्रकाश बाबू एवं विजेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

आरती अनुज शिकारी तन्हा रहे दौड़ में प्रथम, विधायक समेत बहुतों ने बढ़ाया हौसला

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । फतेहपुर नत्था गाँव में मरहूम विधायक हाजी मोहम्मद इरफान एवं मुलायम सिंह यादव की स्मृति में प्रथम दौड़ प्रतियोगिता का विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने फीता काटकर उद्घाटन किया। कहा स्वर्गीय पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्ष, सादगी और सामाजिक न्याय की विचारधारा को समर्पित रहा।

उन्होंने हमेशा नौजवानों, किसानों, गरीबों और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया। कहा ग्रामीण क्षेत्र में





प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की। खेल प्रतियोगिताओं से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। युवाओं को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। 1600 मीटर दौड़ में शिकारी ने प्रथम, जितेंद्र लोधी ने द्वितीय और विवेक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में तनहा प्रथम, शेरा द्वितीय और पाशा तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर बालक वर्ग की दौड़ में अनुज ने प्रथम, गुज्जर ने द्वितीय और भोला ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं 400 मीटर बालिका वर्ग में आरती प्रथम, यांचिका यादव द्वितीय और शिवांशी तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर हाजी मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, प्रेम कुमार, जयपाल सिंह, नरेशपाल सिंह, संजीव यादव, जीतू यादव, अरविंद यादव, सचिन यादव, आशीष यादव, रजत यादव, विकास यादव शिव कुमार यादव आदि ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

संक्षिप्त समाचार

बाल पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा महिला सशक्तिकरण में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रमुख भूमिका

बिलारी@ **क्यूँ न लिखूँ सच** । बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत ब्लॉक बिलारी में नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ब्लॉक प्रमुख, प्रशासक रूपा देवी के प्रतिनिधि राजपाल सिंह ने नियुक्ति पत्र वितरित किए तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कहा कार्यकत्रियां समाज की आधारशिला हैं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा एवं महिलाओं के सशक्तिकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। नवचयनित कार्यकत्रियां पूरी निष्ठा, एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र कुमार राय ने कहा आंगनबाड़ी केंद्र बाल विकास एवं पोषण सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सभी कार्यकत्रियां विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमती निशि सिन्हा, मुख्य सेविकाएं, ब्लॉक समन्वयक अतुल शर्मा आदि रहे।



श्री बृज आदर्श रामलीला कला मंडल के कलाकारों को किया सम्मानित

बिलारी। क्षेत्र के अमरपुरकाशी में रामलीला मंचन के विश्राम पर श्री आदर्श बृज रामलीला कला मंडल की ओर से मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डीसीबी के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ सपा नेता राजेश यादव ने प्रभु राम की आरती में शामिल होकर पुण्य लाभ कमाया। साथ में प्रधान/प्रशासक विजयपाल सिंह यादव, नत्थू सिंह यादव, ललित यादव, राकेश यादव, विशाल यादव भी शामिल रहे। कमेटी अध्यक्ष खंदारी सिंह यादव ने धन्यवाद दिया। अंत में अहिरावण वध, रावण वध की रामलीला दिखाई। अयोध्या में भगवान राम का राज्याभिषेक होने पर जयकारे लगे।





शक्ति दुबे आईएएस बनीं बिलारी में एसडीएम न्यायिक

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त करने वाली आईएएस अधिकारी शक्ति दुबे ने तहसील पहुंचकर एसडीएम न्यायिक के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने एसडीएम अमित कुमार सिंह और तहसीलदार राजकुमार सिंह से मुलाकात की। तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आफाक हुसैन और सचिव परमजीत सिंह आदि से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने आजाद पब्लिक इंटर कॉलेज में जाकर विद्यार्थियों और शिक्षकों को स्वगणना के प्रति जागरूक भी किया

मूल रूप से प्रयागराज की रहने वाली शक्ति दुबे ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। यूपीएससी की ओर से 22 अप्रैल 2025 को घोषित परिणाम में उन्होंने ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की थी। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातक की पढ़ाई की है और मुख्य परीक्षा में राजनीति विज्ञान एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। अब प्रशासनिक सेवा में अपनी जिम्मेदारी के क्रम में बिलारी में एसडीएम न्यायिक का पदभार संभालने के साथ उनकी सेवाएं शुरु हुई हैं।



रोटरी क्लब मुरादाबाद एलीट की बैठक के दौरान हुए गेम्स





@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद । रोटरी क्लब मुरादाबाद एलीट की बैठक कांठ रोड स्थित कैरवी फोर्ट रिसॉर्ट में आयोजित की गई। इस दौरान विभिन्न प्रकार के गेम्स भी हुए। आरम्भ मुख्य अतिथि पी0डी0जी0 रोटेरियन नीरज अग्रवाल , पी0डी0जी0 रोटेरियन डॉ राकेश सिंघल, क्लब अध्यक्ष रो नलिन अग्रवाल, रो नीरज अग्रवाल, सचिव रो ज्ञान प्रकाश और रो प्रवीन कुमार ने संयुक्त रूप दीप प्रज्जवलित करके किया। इसके बाद एनीज द्वारा गणेश और लक्ष्मीजी की वन्दना की गयी।एनीज गीता अग्रवाल नें ग्रुप गेम्स, कार्ड गेम, क्विज़, सरप्राईज़ गेम, सोलो डांस और दीपावली हाऊजी आदि प्रोगाम हुये। इसके अलावा रो प्रवीन कुमार, रो शरद अग्रवाल नें ज्ञानवर्धक और हास्यप्रद चुटकले सुनाये। सभा के अन्त में दीपावली के उपलक्ष में एक उपहार देकर सभी को सम्मानित किया गया। सभा का संचालन रो नीरज अग्रवाल व एनीज गीता अग्रवाल ने किया। सभा में रो नलिन अग्रवाल, रो ज्ञान प्रकाश , रो प्रवीन कुमार, सी0ए0, रो मुकेश त्यागी, रो विवेक अग्रवाल, रो नीरज अग्रवाल, रो राजेश चौधरी, रो निशी विजय गुप्ता, रो कमल कुमार अग्रवाल, ज रो शरद अग्रवाल, रो अनुराग थापन, रो आर0एन0 सिंह , रो राजीव अग्रवाल, रो आदर्श अग्रवाल , रो पराग पोरवाल, ऐनीज शिखा सिंघल, ऐनीज गीता सिंघल, ऐनीज सीमा अग्रवाल, ऐनीज दीप्ती अग्रवाल, ऐनीज गीता अग्रवाल आदि रहे।

आग ने उजाड़ दिया गरीब परिवार का आशियाना, न राशन बचा और न रहने के लिए घर, मदद की आस में भटक रहा परिवार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच। (अमरीक सिंह)मटेरा थाना क्षेत्र के किशुनपुर माफी गांव में अज्ञात कारणों से लगी आग ने एक गरीब परिवार की जिंदगी उजाड़कर रख दी। आग इतनी भयावह थी कि घर में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। परिवार के सामने अब खाने-पीने से लेकर रहने तक का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।पीड़ित बुद्धू साहू का परिवार इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है। आग में घर का सामान, कपड़े और खाने-पीने के लिए रखा राशन तक जल गया। हालात ऐसे हैं कि परिवार के पास न तो पेट भरने के लिए राशन बचा है और न ही सिर छिपाने के लिए सुरक्षित आशियाना।परिवार का आरोप है कि आग लगने की घटना को कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक मौके पर लेखपाल और संबंधित अधिकारी नहीं पहुंचे। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस गरीब परिवार की सुध कौन लेगा? पीड़ित परिवार अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ दर-दर भटकने को मजबूर है।इस दर्दनाक घटना की जानकारी मिलने पर रिसिया न्यूज़ टीम ने पीड़ित परिवार से संपर्क किया। रिसिया न्यूज़ संवाददाता मनीष कुमार ने परिवार से बातचीत की, जहां पीड़ित बुद्धू साहू ने रो-रोकर अपनी आपबीती सुनाई। परिवार की आंखों में आंसू हैं और जुबां पर सिर्फ एक ही सवाल है कि आखिर अब वे कहां जाएं और अपने बच्चों का पेट कैसे भरें?परिवार का कहना है कि यदि उन्हें खाने के लिए राशन और रहने के लिए घर की व्यवस्था मिल जाए तो उनके परिवार की जिंदगी में दोबारा खुशियां लौट सकती हैं। लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद उन्हें मदद का इंतजार है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस गरीब परिवार की सुध लेगा? क्या पीड़ित परिवार को राशन, रहने की व्यवस्था और सरकारी सहायता मिल पाएगी या फिर यह परिवार इसी तरह मदद की आस में भटकता रहेगा?रिसिया न्यूज़ प्रशासन से मांग करता है कि मामले का तत्काल संज्ञान लेकर पीड़ित परिवार को खाद्यान्न, अस्थायी आवास और नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए।

एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया ने ली क्राइम मीटिंग, अपराधियों पर शिकंजा कसने और लंबित मामलों के निराकरण के दिए निर्देश

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवपुरी। जिले में अपराधों की रोकथाम एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने 18 नवंबर को पुलिस कंट्रोल रूम शिवपुरी में जिले के समस्त एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों की क्राइम मीटिंग ली। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान एसपी ने अपराधों की समीक्षा करते हुए अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।क्राइम मीटिंग में एसपी ने चिन्हित एवं गंभीर अपराधों में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर प्रकरणों का निराकरण करने तथा लंबित अपराधों एवं चालानों में कार्रवाई कर उन्हें जल्द निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेने, पीड़िताओं को तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने और जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने पर जोर दिया। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्मैक, गांजा, जुआ एवं सट्टा जैसी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही हिस्ट्रीशीटर, गुंडा-बदमाश, जिला बदर आरोपियों एवं असामाजिक तत्वों की नियमित चेकिंग कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने को कहा। सभी थानों की एक साथ होगी कॉम्बिंग गश्त-बैठक में जिले के सभी थानों को एक साथ कॉम्बिंग गश्त करने के निर्देश दिए गए। गश्त के दौरान स्थाई वारंटियों, गिरफ्तारी वारंटियों, गुंडा-बदमाशों एवं जिला बदर आरोपियों की तलाश कर अधिक से अधिक वारंट तामील कराने के साथ होटल और ढाबों की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी सुनिश्चित करने, एससी-एसटी वर्ग से संबंधित लंबित प्रकरणों में तत्काल वैधानिक कार्रवाई करने तथा थाना क्षेत्रों में संचालित अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए। साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करेंगे पुलिस अधिकारी एसपी ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए थाना स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और आमजन को साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपायों की जानकारी देने के निर्देश भी दिए। बैठक में एसडीओपी एवं सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देशित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता जोड़ो अभियान को लेकर भाजपा की विधानसभा बैठक, 2027 की तैयारियों पर मंथन

शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। बुधवार को भाजपा कैंप कार्यालय पर मतदाता जोड़ो अभियान के तहत विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा और विधानसभा प्रभारी सत्यपाल सिंह कोरी ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मार्ग दर्शन दिया। विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने कहा कि मीरगंज के कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से 2024 लोकसभा चुनाव में जीत मिली है। उसी एकजुटता और उत्साह के साथ 2027 के विधानसभा चुनाव में भी बड़े अंतर से जीत दर्ज कर नया इतिहास रचना है। सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि मीरगंज का कार्यकर्ता बेहद मेहनती, निष्ठावान और समर्पित है। कार्यकर्ताओं की ताकत के बल पर ही पार्टी ने हर चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की है। भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव की अपेक्षा विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत कम रहा था। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों पर जाकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे युवाओं और छूटे हुए पात्र नागरिकों के वोटर कार्ड बनवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर कम से कम 50 नए मतदाता जोड़ने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। बैठक में संजय चौहान, वीरपाल गंगवार, निर्भय गुर्जर, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा,राम गुप्ता, ओमेंद्र चौहान, गौरव मिश्रा, मंडल अध्यक्ष जयवीर सिंह, अनुरोध सिंह, मुनीष शर्मा, तेजपाल गंगवार, केपी राना,मीना गंगवार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।



चेयरमैन क्रिकेट कप में रोमांच चरम पर, दो सुपर ओवर के बाद फ्रेंड्स क्लब जीता

शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। रबड़ फैक्ट्री कॉलोनी मैदान में चल रहे चेयरमैन क्रिकेट कप में बुधवार को तीन रोमांचक मुकाबले खेले गए। दिन का सबसे रोमांचक मैच दो सुपर ओवर तक खिंचा। पहला मैच बरेली रॉयल और फ्रेंड्स क्लब के बीच हुआ। बरेली रॉयल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 89 रन बनाए और 90 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में फ्रेंड्स क्लब भी 10 ओवर में 89 रन ही बना सकी।जिससे मैच टाई हो गया। पहला सुपर ओवर भी टाई रहा। दूसरे सुपर ओवर में बरेली रॉयल ने 6 रन बनाए, जबकि फ्रेंड्स क्लब ने 7 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में आयत ट्रेडर्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 102 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विपक्षी टीम केएस टीम 5.2 ओवर में ही ऑलआउट हो गई। आयत ट्रेडर्स ने बड़ी जीत हासिल की। तीसरे मैच में फहीम इलेवन और युवा क्लब आमने-सामने रहे। फहीम इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 111 रन बनाए। जवाब में युवा क्लब 10 ओवर में 56 रन पर सिमट गई। फहीम इलेवन ने 55 रन से जीत दर्ज की।



सैनिकों की समस्याओं को लेकर प्रशासन सख्त, एडीएम ने बैठक में ही अधिकारियों को घुमाया फोन

बरेली। (ब्यूरो) कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) दिव्या ओझा की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एडीएम ने पूर्व सैनिकों से एक-एक कर संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने वृद्ध व अक्षम सैनिकों के शस्त्र लाइसेंस वारिसान के नाम दर्ज करने और लंबित प्रार्थना पत्रों का शीघ्र निस्तारण कर आख्या भेजने के निर्देश दिए।



खेतों के अवरुद्ध चक मार्ग खुलवाने और पैमाइश के मामलों में एडीएम ने बैठक से ही संबंधित एसडीएम को फोन कर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। साथ ही पुलिस से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान और भूतपूर्व सैनिकों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ग्रुप कैप्टन आशीष कुमार (अ.प्रा.) के संचालन में हुई इस बैठक में जाट रेजीमेंट सेंटर से सूबेदार मेजर एम.एस. विष्ट, पुलिस, पूर्ति व सेवायोजन विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक व उनके आश्रित मौजूद रहे।

गोपाष्टमी पर्व मनाया

@ क्यूँ न लिखूँ सच



समोदिया रामपुर हि दै आचार्य वाणी। विद्या भारती से संबंध हो जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारतीय पिलखुआ हापुर ग्रामीण शिक्षा अंतर्गत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जीसरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगररामपुर पवित्र कार्तिक मास शुक्ल पक्ष अष्टमी तिथि दिन मंगलवार को गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा एवं विद्यालय के भैया बहनों के साथ श्री पवन कुमार सक्सेना के चार गौ माता को उनके छोटे पुत्र समर सक्सेना के साथ तिलक लगाकर पुष्प वर्षा करके हरी दूब घास एवं आता खिलाकर पूजन किया गया जिसमें आशीष कुमार सौरभ सैनी नैतिक हर्षित एवं कुमारी आकृति गंगवार कुमारी तनु कुमारी अमृता मौर्य कनिका सैनी माही वर्षा कुमारी दीक्षा ने सहयोग किया प्रधानाचार्य ने भैया बहनों को बताया श्री ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना करते समय गौ माता के प्रत्येक अंग में देवता का निवास बनाया गौ माता के सिंह ललाट नाथन नेत्र कान ग्रीवा रीड चारों पैरों के खुर्द एवं पूछ के बाल तथा पवित्र गोबर एवं गोमूत्र में साक्षात लक्ष्मी एवं गंगा का वास बताया श्री हरि विष्णु देवताओं के चिकित्सक अश्विनी कुमार आदि निवास करते हैं जो गौ भक्त गौ माता की प्रतिदिन सेवा करता है उसे विशेष फल प्राप्त होता है शुभ दीपावली से आठवें दिन वह पश्चिम का त्यौहार मनाया जाता है अपनी गाय की पूजा करें पड़ोसी की गौ माता नहीं तो अपने क्षेत्र की निजी गौशाला एवं सरकारी को आश्रय स्थल पहुंच कर वहां श्रमदान करें स्वच्छता आदि करके पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं और अपने समर्थ के अनुसार कल चोकर गुड भूसा हरा चारा रोटी आटा की लोई खिलाएं शुद्ध पानी पिलाई गौ माता के पीठ पर एवं गर्दन पर हाथ से मालिश करें गौ माता प्रसन्न होकर आपके आशीर्वाद प्रदान करेंगे इस अवसर पर ब्रजकिशोर मौर्य उमेश कुमार विजेंद्र सिंह गौरव सिंह संजय सिंह सुनील कुमार प्रेम पाल प्रकाश बाबू अनिल कुमार एवं सुनीता मौर्य विनीता कलावती एवं पूजा टैगोर ने सहयोग किया आज के दिन नगरीय क्षेत्रों में बड़े-बड़े उद्योगपति अथवा व्यापारी जो स्थान के अभाव में गाय का पालन नहीं कर सकते हैं वह पूरे परिवार सहित गौशाला पहुंचकर आर्थिक रूप से सेवा जरूर करते हैं

प्रधानाचार्य ने आग्रह किया होली दिवाली रक्षाबंधन जन्म दिवस एवं विवाह वर्षगांठ पर गौशाला में दान अवश्य करना चाहिए जिससे हमें पुण्य प्राप्त होता है गौशाला में धान का परली एवं हरा चारा सहयोग के रूप में दान करना चाहिए अयोध्या मथुरा काशी उज्जैन एवं हरिद्वार चित्रकूट बड़े-बड़े तीर्थ स्थलों पर साधु संत महात्मा शांतिकुंज हरिद्वार पतंजलि बाबा रामदेव आदि के द्वारा बड़ी संख्या में गौशाला में गोपालन का कार्य बड़े ही श्रद्धा भाव से किया जा रहा है प्रदेश के लोकप्रिय एसएससी मुख्यमंत्री की गोरखपुर गुरु गोरखनाथ मंदिर पर बहुत बड़ी गौशाला है मुख्यमंत्री महोदय प्रतिदिन गौशाला पहुंचकर अपनी गौ माता को गुड़ खिलाने जाते हैं हमें भी प्रतिदिन गौशाला में साफ सफाई करके गौ माता को पानी पिलाकर हाथ फेर कर सेवा करनी चाहिए

शिवपुरी में परिवहन विभाग का सघन चेकिंग अभियान, 46 वाहनों की जांच; 4 वाहन जब्त, 1.07 लाख रुपये से अधिक का राजस्व वसूला

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवपुरी। जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए परिवहन विभाग द्वारा सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर वरिष्ठ जिला परिवहन अधिकारी रंजना कुशवाह एवं परिवहन उपनिरीक्षक प्रवीण डावर के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान 46 वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर विभाग ने 4 वाहनों को जब्त किया।अभियान के दौरान पहले एक वाहन को जब्त कर रत्नौद थाने में रखवाया गया। इसके बाद अगले दिन कार्रवाई करते हुए 3 अन्य वाहनों को जब्त कर थाना सतनवाड़ा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया।वाहन चेकिंग के दौरान परिवहन विभाग की टीम ने वाहनों के दस्तावेजों एवं बकाया कर की भी जांच की। इस दौरान 2 वाहनों से बकाया मोटरयान कर के रूप में 73 हजार 179 रुपये जमा कराए गए। वहीं, विभिन्न उल्लंघनों पर अर्थदंड के रूप में 34 हजार 500 रुपये की वसूली की गई। इस प्रकार विभाग ने कुल 1 लाख 7 हजार 679 रुपये का राजस्व वसूल किया। कार्रवाई के दौरान परिवहन विभाग की टीम के सदस्य पुरुषोत्तम बाथम, दिलशाद खान एवं राजेंद्र शर्मा ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने, बकाया कर वाले वाहनों तथा नियमों का उल्लंघन कर संचालित होने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी सघन चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय, 28 नवंबर को होगा भव्य दीपावली मिलन एवं अन्नकूट समारोह

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शिवपुरी। सर्व ब्राह्मण समाज शिवपुरी की एक महत्वपूर्ण बैठक योगाचार्य पंडित रघुवीर पाराशर के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती उमा उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 28 नवंबर 2026, शनिवार को सर्व ब्राह्मण समाज का भव्य दीपावली मिलन समारोह एवं विशाल अन्नकूट प्रसादी कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध ब्राह्मण विभूतियों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाएगा।

बैठक में समाज की संगठनात्मक मजबूती को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इसमें सर्व ब्राह्मण समाज की वर्तमान कार्यकारिणी का चुनाव के माध्यम से पुनर्गठन कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही शिवपुरी में संचालित विभिन्न ब्राह्मण संगठनों को एक मंच पर लाकर एक संगठित समाज एवं एक अध्यक्ष बनाए जाने की संभावनाओं पर भी सहमति व्यक्त की गई।

बैठक में जिलाध्यक्ष भारत शर्मा ने शिवपुरी में कार्यरत समस्त ब्राह्मण संगठनों से अपने-अपने संगठन को सर्वोपरि रखने के बजाय सर्व ब्राह्मण समाज की एकजुटता को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी संगठन एक मंच पर आकर समाज की एकता और संगठनात्मक मजबूती के लिए सहयोग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज की एकता के लिए सभी ब्राह्मण बंधुओं की सहभागिता आवश्यक है।

इस अवसर पर योगाचार्य पंडित रघुवीर पाराशर एवं श्रीमती उमा उपाध्याय का सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में पंडित अशोक शर्मा कुड़ा एवं संरक्षक राजेंद्र दुबे खजूरी द्वारा अतिथियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से पंडित रोहिताश नायक, पंडित हरिहर शर्मा, पंडित रामजी लाल शर्मा, पंडित गोपाल गौड़, पंडित मनोज जैमिनी, पंडित महेंद्र नायक, पंडित सतीश शर्मा, पंडित अजीत शर्मा, पंडित सूरज अवस्थी, पंडित वरुण पाराशर, पंडित धर्मेंद्र भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के बंधु उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में कार्यकारी अध्यक्ष पंडित अशोक शर्मा कुड़ा ने सभी उपस्थित समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया।

कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने खादी स्वावलंबन उत्सव का किया शुभारंभ

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में बुधवार को राजकीय इंटर कॉलेज में खादी एवं स्वावलंबन उत्सव-2026 का अयोजन किया गया। उत्सव में मंडलीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी लगाई गई। मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने प्रदर्शनी में विभिन्न जनपदों से आए उद्यमियों व कारीगरों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया।

उन्होंने कारीगरों से संवाद कर उनके द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली तथा उनके हुनर की सराहना की। उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है। इससे न केवल हमारे स्थानीय कारीगरों, लघु उद्यमियों और पारंपरिक उद्योगों को आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को भी एक नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने सभी से स्वदेशी अपनाओ, आत्मनिर्भर भारत बनाओ के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया।

इससे पहले उत्सव में छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां कर समां बांध दिया। अंत में कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

Dandruff in winter isn't just caused by dryness; these 7 habits are the real cause; 6 home remedies will provide relief.



Constant itching, falling white dandruff, weakening hair, and rapidly increasing hair fall... these are not just signs of dandruff, but rather, they indicate that your scalp needs immediate care. While we all enjoy the cool breeze with the arrival of winter, this season also brings many problems for our hair and scalp. The most common problem that plagues almost everyone during this time is dandruff. Constant itching, white flakes falling on clothes, weakening hair, and rapid hair fall—these are all signs of dandruff. If not addressed in time, this problem can lead to scalp infections and even stunt hair growth. Let's take a look at why dandruff increases so much in winter and what are the easiest and most effective home remedies to get rid of it. Why does dandruff increase in winter? Dry scalp: The cold winter air and lack of humidity in the environment strip the scalp of its natural moisture. This causes the skin to dry out and flake. Hot showers: To avoid the cold, we often wash our hair with very hot water. This hot water strips the scalp of its natural oils, exacerbating dandruff. Avoid sunbathing: Winters offer less sunlight. This lack of sunlight can lead to the growth of fungus on the scalp, which is a major cause of dandruff. Constantly wearing a hat: Covering the head with a hat or cap at all times to protect from the cold causes sweat and dirt to accumulate inside. This irritates the scalp and increases dandruff. Chemical products: Using shampoos, hair gels, or sprays that contain too many chemicals can also cause dry and sensitive scalps. Drinking less water: We tend to feel less thirsty during the cold season. Drinking less water can dehydrate both our body and scalp.

You've never seen such celebrations, nor heard such traditions! These unique festivals of India hide centuries-old stories.

India celebrates many regional festivals that preserve centuries-old culture. While we know the names of major festivals like Holi, Diwali, Eid, and Christmas, very little is known about regional festivals. Many traditional festivals are celebrated in different states of India, preserving centuries-old culture. Let's take a special look at such festivals across the country. Theyyam Festival, Kerala - The Theyyam festival, also known as Kaliyattam, has been celebrated for centuries in the Kasargod and Kannur areas of Kerala's North Malabar region. The word Theyyam is derived from the Sanskrit word "Daivam." It is believed that this festival serves as a means of direct communication with God. Performers, dressed in traditional costumes, invoke their ancestors, deities, and protectors, seeking protection from negative forces. Ramman Festival, Uttarakhand - Salud-Dungra village, located in the Chamoli district of Uttarakhand, hosts the Ramman Festival every year during the month of Vaishakh. In 2009, the festival was included in UNESCO's Intangible Cultural Heritage of Humanity list. This festival is dedicated to the village's Bhumiyaal folk deity, where locals, dressed in traditional costumes, perform scenes from the Ramayana to the 18 beats of the Dhol-Damau. Raulaane Festival, Himachal Pradesh - Raulaane, a festival celebrated for centuries in Kalpa village in the Kinnaur district of Himachal Pradesh, worships not gods but fairies. In this festival, men dressed as bride and groom roam around the village, worshipping the fairies, and finally bidding them farewell. It is believed that these fairies protect the mountainous region during the winter season. Phool Dei, Uttarakhand - Phool Dei is a beautiful festival in Uttarakhand that can fill the mind with joy, not only increasing social interaction but also symbolizing the arrival of joy. This popular folk festival is celebrated every year in March to mark the New Year and the arrival of spring. Ziro Music Festival, Arunachal Pradesh - The Ziro Music Festival is held for four days in the last week of September in the Ziro Valley of Arunachal Pradesh. This festival is not centuries old, as it was started in 2012 by Bobby Hano and Anup Kutti, guitarist of the band "Menhopause." Chapchar Kut, Mizoram - Chapchar Kut is considered one of the oldest festivals in Mizoram. Here, "Chapchar" means cutting and drying trees and bushes, while "Kut" means festival. This festival is celebrated every year in the first week of March after the harvesting of jhum crops. Hornbill Festival, Nagaland - Mizoram's Chapchar Kut is the largest hornbill festival in Nagaland. Known as the Festival of Festivals, this festival is held annually between December 1 and 10 at Kisama Heritage Village near the capital, Kohima. It is named after the hornbill, a bird revered by the Naga tribes.



You've never seen such celebrations, nor heard such traditions! These unique festivals of India hide centuries-old stories.

India celebrates many regional festivals that preserve centuries-old culture. While we know the names of major festivals like Holi, Diwali, Eid, and Christmas, very little is known about regional festivals. Many traditional festivals are celebrated in different states of India, preserving centuries-old culture. Let's take a special look at such festivals across the country. Theyyam Festival, Kerala - The Theyyam festival, also known as Kaliyattam, has been celebrated for centuries in the Kasargod and Kannur areas of Kerala's North Malabar region. The word Theyyam is derived from the Sanskrit word "Daivam." It is believed that this festival serves as a means of direct communication with God. Performers, dressed in traditional costumes, invoke their ancestors, deities, and protectors, seeking protection from negative forces. Ramman Festival, Uttarakhand - Salud-Dungra village, located in the Chamoli district of Uttarakhand, hosts the Ramman Festival every year during the month of Vaishakh. In 2009, the festival was included in UNESCO's Intangible Cultural Heritage of Humanity list. This festival is dedicated to the village's Bhumiyaal folk deity, where locals, dressed in traditional costumes, perform scenes from the Ramayana to the 18 beats of the Dhol-Damau. Raulaane Festival, Himachal Pradesh - Raulaane, a festival celebrated for centuries in Kalpa village in the Kinnaur district of Himachal Pradesh, worships not gods but fairies. In this festival, men dressed as bride and groom roam around the village, worshipping the fairies, and finally bidding them farewell. It is believed that these fairies protect the mountainous region during the winter season. Phool Dei, Uttarakhand - Phool Dei is a beautiful festival in Uttarakhand that can fill the mind with joy, not only increasing social interaction but also symbolizing the arrival of joy. This popular folk festival is celebrated every year in March to mark the New Year and the arrival of spring. Ziro Music Festival, Arunachal Pradesh - The Ziro Music Festival is held for four days in the last week of September in the Ziro Valley of Arunachal Pradesh. This festival is not centuries old, as it was started in 2012 by Bobby Hano and Anup Kutti, guitarist of the band "Menhopause." Chapchar Kut, Mizoram - Chapchar Kut is considered one of the oldest festivals in Mizoram. Here, "Chapchar" means cutting and drying trees and bushes, while "Kut" means festival. This festival is celebrated every year in the first week of March after the harvesting of jhum crops. Hornbill Festival, Nagaland - Mizoram's Chapchar Kut is the largest hornbill festival in Nagaland. Known as the Festival of Festivals, this festival is held annually between December 1 and 10 at Kisama Heritage Village near the capital, Kohima. It is named after the hornbill, a bird revered by the Naga tribes.



Sona Mohapatra mocked Salman Khan's singing, saying, "Talking about becoming an airplane after two pegs..."

Singer Sona Mohapatra, recalling her 20-year career, took a dig at Salman Khan. Sona Mohapatra took a dig at Salman Khan's new song, shared her experience with past controversies and online harassment, and questioned the definition of success and opportunities in Bollywood. Singer Sona Mohapatra, recalling her 20-year journey as a professional singer, took a dig at Salman Khan. In a recent post on social media, she recounted past controversies with the Bollywood superstar. She recounted the online harassment she faced after criticizing Salman Khan. She also questioned whether she should truly regret missing out on some Bollywood opportunities. Why should success be associated with being around powerful people? Sona Mohapatra also questioned why people associate success with being close to powerful people. In the video, she said, "I don't understand why people consider success to be based around powerful people. As if stepping into someone else's empire is a greater achievement than building one's own." She recalled her 2016 controversy with Salman Khan, when she objected to one of the actor's comments. Sona compared the exhaustion of film shooting to the traumatic experience of a woman who has endured a very difficult time. Sona claimed that she subsequently received death threats, obscenely morphed photos of her were circulated, and obscene messages were sent to her and her family. In the caption of the video, Sona Mahapatra also directly attacked Salman Khan. She wrote, "The Bollywood career I should have regretted losing. Salman Khan, you have outdone yourself again." She also took a dig at Salman Khan's recent song, saying that he has no regrets about creating his own musical identity instead of chasing opportunities in the film industry. Taking a dig at the song's lyrics, he said, "This new 'masterpiece' from Mr. Khan is from a film supposedly inspired by the sacrifices of our soldiers, and here's our superstar singing about having two pegs and becoming an airplane." This post comes after Salman released the song "Teri Sexy Beauty" from his upcoming film "Matrubhoomi: May War Rest in Peace," which stars Chitrangada Singh alongside him.





The game changed as the "power" shifted in Phulera, with Banarakas's one condition holding the release date back.

Following the change in power in Phulera, Banarakas has placed a unique condition on the release date of "Panchayat Season 5." Banarakas has placed a condition on the release of "Panchayat Season 5." Fans must offer a garland of 10 million marigold flowers - Prime Video had previously stated that the fifth season would not be released this year. Just when "Panchayat" fans were worried about their favorite show's demise, a new twist has emerged in Phulera! Following a change in leadership, Banarakas (Durgesh Kumar) has now taken over the reins himself. With "Panchayat"'s return now hanging in the balance, Banarakas has placed a unique condition before announcing the show's much-anticipated return date. Kranti Devi Reveals Release Date Rules - After Kranti Devi (Sunita Rajwar) became the new head of the village and the Banaraks rallied behind her, the new administration of Phulera has established its own rules. A special audience challenge will require fans to unite and garland the new administration with 10 million marigold flowers. The release date of "Panchayat Season 5" will be revealed only after completing this challenge. Fans were eagerly awaiting the release date of their favorite show. Prime Video released a post announcing that the new season would not be airing this year. Prime Video shared a post on social media, writing, "Panchayat Season 5 will not be airing this year. Sorry to inform you, the next season of Panchayat is on hold." This caused disappointment among fans. However, this latest post certainly gave him hope that Phulera and politics won't be far away from him for long. What will be the story of Panchayat Season 5? - Speaking of the story of Season 5, Abhishek Tripathi, an engineering graduate turned Panchayat Secretary, whose journey in Phulera was a key part of Season 5's story, will once again be seen as Jitendra Kumar. Familiar faces like Neena Gupta, Raghubir Yadav, Sanvika, Faisal Malik, and Chandan Roy may also return in the new season. The series is produced by The Viral Fever. It is written by Chandan Kumar and directed by Deepak Kumar Mishra. This is the team that has crafted the show's story and easygoing humor, which audiences can easily relate to.



Guns, Bond girls, and dangerous missions! Where to watch James Bond films on OTT?

Are you planning to watch the James Bond franchise? Find out which OTT platforms you can watch these films on. Where to watch James Bond films on OTT? The last James Bond film was released in 2021. Robert Pattinson will play Bond in the 26th film. Since Robert Pattinson was introduced as the new James Bond, excitement for the franchise has increased among fans. The last film in the franchise, "No Time to Die," was released in 2021, and now the 26th film is ready to be released. If you're also planning to watch James Bond films, this article has made your plans easier. Let's explore the history of James Bond films and where you can enjoy them on OTT. You can watch all 25 James Bond films on Prime Video. There are also many films of the franchise which this OTT platform may remove soon. Dr. No (Dr. No - 1962) 'Dr. No' is a 1962 spy film and the first film in the James Bond series, in which Sean Connery plays the role of fictional MI6 agent James Bond. In the film, James Bond is sent to investigate the disappearance of a British agent. Jamaica to of 'Dr. No', who is plotting to disrupt America's First During the investigation, he reaches the underground base weapon. ('From Russia with Love' - 1963) - is a spy space launch from Cape Canaveral using a radio beam the James Bond series. It was produced by Eon film directed by Terence Young. This is the second film in agent James Bond. In the film, Bond is sent to Productions and stars Sean Connery as the fictional MI6 escape. Meanwhile, the SPECTRE organization Istanbul to help Soviet consulate clerk Tatiana Romanova 1964) - Goldfinger is the third film in the James plots revenge for Bond's killing of Dr. No. (Goldfinger - Bond series, released in 1964. Sean Connery plays the fictional MI6 agent James Bond. In the story, Bond investigates gold baron Auric Goldfinger, who plans to deactivate the United States Bullion Depository at Fort Knox with a dirty bomb. Goldfinger was the first Bond film to gross over $100 million. (On Her Majesty's Secret Service - 1969) Released in 1969, 'On Her Majesty's Secret Service' is the sixth film in the James Bond series. After Sean Connery decided to retire from the role, 'Eon' cast George Lazenby, a model, as James Bond. However, he only played the character once in a James Bond film. In the film, Bond faces Blofeld (Telly Savalas), who plans to use a group of brainwashed 'Angels of Death' to take control of the world. The Spy Who Loved Me - 1977 'The Spy Who Loved Me' is the tenth film in the Bond series, released in 1977. It marks Roger Moore's third appearance as the fictional secret agent James Bond, and Lewis Gilbert's second directorial debut. (GoldenEye - 1995) Released in 1995, this film is the 17th in the Bond series and marks the first time Pierce Brosnan has played the fictional MI6 agent James Bond. Directed by Martin Campbell, this film was the first in the series not to draw any plot from the works of novelist Ian Fleming. In the film, Bond stops Alec Trevelyan (Sean Bean), a former MI6 agent who aims to cause worldwide economic devastation by using a satellite weapon against London. (Casino Royale - 2006) The 21st film in the James Bond series, starring Daniel Craig as the fictional MI6 agent James Bond. After killing the traitorous MI6 Section Chief Dryden and one of his supporters in Prague, MI6 agent James Bond is promoted. In Uganda, Mr. White introduces Steven Obano, commander of the Lord's Resistance Army, to Le Chiffre, an Albanian private banker working for terrorists. (Skyfall - 2012) - 'Skyfall' is the 23rd film in the James Bond series, released in 2012. This is the third film in which Daniel Craig plays the role of the fictional MI6 agent James Bond. Javier Bardem plays the villain 'Raoul Silva' in the film, while Judi Dench returns as 'M'. In the film, Bond investigates a series of planned attacks and data leaks on MI6, which Silva is behind. Two old characters - Miss Moneypenny and Q return after a gap of two films. (No Time to Die - 2021) James Bond's 25th film 'No Time to Die' was released in 2021. As a sequel to Spectre (2015), it is the fifth and final film starring Daniel Craig as the fictional British MI6 agent James Bond. In the film, Bond has retired from active MI6 service but is hired by the CIA to rescue a kidnapped scientist who possesses deadly DNA-targeting nanobots. During this mission, Bond discovers That bioterrorist Lucifer Safin is plotting to kill millions of people. These 9 films of the James franchise are must-watch films in which you will see different actors playing this famous character, and now in the upcoming 26th film, Robert Pattinson will be seen in this role. So far, 6 actors have played the lead role in these 25 films. John Connery – 1962 to 1971 (6 films) George Lazenby – 1969 (1 film) Roger Moore – 1973 to 1985 (7 films) Timothy Dalton – 1987 to 1989 (2 films) Pierce Brosnan – 1995 to 2002 (4 films) Daniel Craig – 2006 to 2021 (5 films) Now Robert Pattinson will carry forward the legacy of 007 and fans are very excited to see him playing this famous character on screen.

